भारत सरकार
रसायन और उर्वरक मंत्रालय
रसायन एवं पेट्रोरसायन विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 2178
01.08.2025 को उत्तर दिए जाने के लिए

आंध्र प्रदेश में सिपेट केंद्रों की स्थिति

2178. श्री जी. लक्ष्मीनारायण:

क्या रसायन और उर्वरक मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) आंध्र प्रदेश में स्वीकृत केंद्रीय पेट्रोरसायन अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संस्थान (सिपेट) केंद्रों की संख्या कितनी है और उनके जिलावार स्थान, स्वीकृति के वर्ष और परिचालन स्थिति का ब्यौरा क्या है;

(ख) इन केंद्रों की स्थापना के बाद से इनमें से प्रत्येक केंद्र के लिए वर्षवार और प्रमुख व्यय शीर्षों के अंतर्गत आवंटित, जारी और उपयोग की गई कुल निधि कितनी हैं;

(ग) क्या सरकार का अनंतपुर, विज़ियानगरम और श्रीकाकुलम जैसे पिछड़े या आकांक्षी जिलों में नए सिपेट केंद्र स्थापित करने का विचार है और यदि हां, तो तत्संबंधी स्थिति क्या है;

(घ) विगत पांच वर्षों के दौरान आंध्र प्रदेश में प्रत्येक सिपेट केंद्र में प्रशिक्षित छात्रों की संख्या कितनी है और नियोजन संबंधी परिणाम क्या हैं; और

(ङ) क्या इन केंद्रों से हुए औद्योगिक प्रभाव, एमएसएमई संपर्क और रोजगार सृजन का आकलन करने के लिए कोई मूल्यांकन किया गया है और यदि हां, तो प्रमुख निष्कर्ष क्या हैं और उन पर क्या अनुवर्ती कार्रवाई की गई है?

उत्तर

रसायन और उर्वरक राज्य मंत्री

(श्रीमती अनुप्रिया पटेल)

(क) सिपेट का आंध्र प्रदेश के विजयवाड़ा में एक कौशल विकास एवं तकनीकी सहायता केंद्र (सीएसटीएस) है, जिसे वर्ष 2015 में मंजूरी प्रदान की गई थी। वर्तमान में, यह केंद्र तीन दीर्घकालिक पाठ्यक्रम अर्थात प्लास्टिक प्रसंस्करण एवं परीक्षण में स्नातकोत्तर डिप्लोमा, प्लास्टिक प्रौद्योगिकी में डिप्लोमा और प्लास्टिक मोल्ड प्रौद्योगिकी में डिप्लोमा प्रदान करता है। यह केंद्र अल्पकालिक कौशल विकास प्रशिक्षण पाठ्यक्रम भी संचालित करता है और प्लास्टिक उद्योगों को तकनीकी सहायता संबंधी सेवाएँ प्रदान करता है।

(ख) विभाग ने 40.10 करोड़ रुपये की कुल परियोजना लागत पर सिपेट: सीएसटीएस, विजयवाड़ा की स्थापना के प्रस्ताव को मंजूरी प्रदान की थी, जिसे केंद्र और राज्य सरकार के बीच 50:50 के आधार पर वहन किया गया था। सिपेट: सीएसटीएस, विजयवाड़ा के लिए केंद्र सरकार द्वारा आवंटित, जारी और उपयोग की गई कुल धनराशि का विवरण इस प्रकार है:

क्रम सं.	**वित्तीय वर्ष**	**सिपेटः सीएसटीएस विजयवाड़ा की स्थापना के लिए भारत सरकार द्वारा आवंटित और जारी की गई धनराशि**
1	2015-16	6.17
2	2016-17	7.00
3	2017-18	1.04
4	2018-19	2.86
5	2019-20	2.98
	कुल	**20.05**

केन्द्र सरकार द्वारा जारी की गई समस्त धनराशि (अर्थात 20.05 करोड़ रुपये) का उपयोग कर लिया गया है।

(ग) जी, नहीं। वर्तमान में ऐसा कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है।

(घ) पिछले पांच वर्षों के दौरान सिपेट: सीएसटीएस, विजयवाड़ा में प्रशिक्षित छात्रों की संख्या और प्लेसमेंट परिणाम निम्नानुसार हैं:

वर्ष	दीर्घकालिक कार्यक्रम (पीजीडी-पीपीटी, डीपीएमटी और डीपीटी)		रोजगार से जुड़े कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम	
	प्रशिक्षित छात्रों की संख्या	प्लेसमेंट प्राप्त करने वाले छात्रों की संख्या (उच्च अध्ययन सहित)	प्रशिक्षित उम्मीदवारों की संख्या	नियुक्त उम्मीदवारों की संख्या
2020-21	11	11	40	33
2021-22	143	121	82	73
2022-23	139	137	130	124
2023-24	83	81	390	385
2024-25	55	50	110	110

(ङ) सिपेट: सीएसटीएस, विजयवाड़ा ने उद्योग की ज़रूरतों के अनुरूप डिप्लोमा और कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रदान करके रोज़गार सृजन में योगदान दिया है। पिछले पाँच वर्षों में, इस केंद्र ने 1183 छात्रों को प्रशिक्षित किया है, जिनमें से 1125 को सफल प्लेसमेंट प्राप्त हुआ है। इसके अतिरिक्त, सिपेट की तकनीकी सहायता संबंधी सेवाएँ (टीएसएस) स्थानीय प्लास्टिक उद्योग की उन्नति में महत्वपूर्ण योगदान दे रही हैं, जिससे नवाचार और औद्योगिक विकास को बढ़ावा मिल रहा है।

*****